Single Point Matching

– Amuadha Mittal

हमारे पूज्यनीय गुरूजी राव सर एवं अन्य faculty members और साथियों। आज का विषय कुण्डली मिलान! जैसा आपको विदित ही है। मेरे प्रिय साथियों ने कुण्डली मिलान के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया ही है। ये विषय इतना आसान नहीं है। जितना हमें दिखाई देता है लेकिन हमारे श्रद्धेय गोयल sir ने इसको आसान बनाने के लिए इसका केवल Single Point Matching नुस्खा दिया है जिसे दोनों कुण्डलियों पर लगाकर हम एक नजर में ये बता सकते हैं कि यह Matching दोनों को विवाह बन्धन में बांधने योग्य है कि नहीं। यह Couple खुश रहेगा कहीं Disputes तो शुरू नहीं हो जायेंगे। वैसे तो जोड़ियाँ विधाता ही बनाकर भेजता है। हम तो केवल कोशिश करते हैं

1. इस Single Point Matching के लिए हमें केवल दोनों कुण्डलियों के नवांश लेने होंगे उसमें भी केवल 7 Nav Lord.

2. Female नवांश के 7th Lord की स्थिति Male नवांश में कैसी है। इधर Male नवांश के 7 Nav Lord की स्थिति Female नवांश में कैसी है। जिसकी भी स्थिति एक दूसरे के नवांश में अच्छी या खराब होगी उसी के अनुसार Marriage भी होगी यदि दोनों की खराब है तो दोनों नाखुश होंगे और यदि दोनों की अच्छी है तो दोनों एक दूसरे से खुश होंगे और यदि एक खुश एक नाखुश तो एक की में 7 NL affliction में होगा और दूसरा ठीक स्थिति में होगा

अब हम आपके समक्ष कुछ कुण्डलियों को लगाकर देखते हैं।

MM कुण्डली न० 7 Note Disturbed Marriage है। Marriage के 3 महीने बाद ही Disputes शुरू हो गये क्योंकि female Native का पैकेज Male Native के पैकेज से ज्यादा है। Currently Divorce की स्थिति आ गई है।

Female Nav 7th Lord Mars Male Nav में दशमभाव में बृ० के साथ बैठे हैं। बृ० भी Ret है। Male Nav में ये 7 Nav Lord मंगल छठे Nav का स्वामी भी है जोकि लड़ाई झगड़े का घर है। और मंगल भी aggressive होता है।

अब हम Male Nav 7th L को देखते हैं जोकि स्वंय बृ० है। अब बृ० को देखे

तो वह female Nav में Ret शनि के साथ बैठे हैं व R/K axis में भी है। इध र affliction ज्यादा है। आपस में Package को लेकर Disputes शुरू हो गये हैं। अब देखिए Marriage में Disturbance हमें Single Point से ही दिख गया

जिस समय Marriage हुई लड़के की कुण्डली में उस समय Jup में Ra क छिद्र दशा चल रही थी Jup MTNL है तो राहु female 7 Nav L मंगल के Dispositor में है। इसीलिए हमें Marriage का Dicision लेने से पहले दशाये भी देख लेनी चाहिए कि कहीं इनका सम्बन्ध 6th और 12 Nav से तो नहीं है। 6th 7th Nav की दशा एक साथ चले तो उस समय शादी नहीं करनी चाहिए

अब लेते हैं। Case No MM 10

ये Marriage Happy Marriage है। Both are working and Single family है।

Female 7 Nav Lord, Male Nav के 7 Nav में उच्च का होकर राहु के साथ बैठा है। Sat व Rahu दोनों ही अपने Dispositor Ven के नक्षत्र में है व Sat Ven से राशि exchange में भी है। ऊपर से तीनों आपस में मित्र भी है और यदि Ket की भी aspect है तो केतु Jup के नक्षत्र में है व Sup के साथ भी है तथा Jup भी Sat को अपनी दृष्टि दे रहे हैं व इधर Jup व केतु आपस में नक्षत्र exchange में भी है।

अब हम Male 7th Nav Lord पर आते हैं। Male 7 N Lord Ven है जोकि female Nav में 8H में उच्च के होकर बैठे है व Jup से राशि exchange कर रहे हैं व उच्च के Mer से दृष्ट भी है जोकि कुटुम्ब भाव में बैठे हैं।

Single Point Matching के हमें सारी स्थिति का ज्ञान हो गया अगर हम यहाँ पर traditional matching करके देखते तो हम ये Matching कभी नहीं करते क्योंकि इसमें सूक्ष्म नाड़ी दोष है।

लड़का भी राक्षस गन का है। लड़की देव गन की। दोनों में हमेशा खटपट ही रहेगी हम ऐसा सोचते Single Point Matching से हमें वो सब कुछ देखने की जरूरत महसूस नहीं हुई अगर हम ये सब कुछ देखते तो ये शादी शायद नहीं होती

3rd Case हम ले रहे हैं MM 67 -

ये Disturbed Marriage है। Male का Serious accident हो गया और वह Disabled हो गया बाद में Divorce हो गया

Female Nav का 7th Nav Lord Mer Male Nav में 6th H में उच्च का होकर बैठा है व R/K axis पर भी है तथा Sat के साथ भी है। 6th Nav Male का है तो वह रोग accident का भी घर है और Divorce, Litigation का भी। व मारक स्थान 2nd व 7 Nav L Ven जोकि 12 H में उच्च के है से दृष्ट भी है। व 8th Lord व लग्न Lord जोकि मंगल है से भी दृष्ट है। Male 7th Nav Lord Ven जोकि Marriage का कारक ग्रह भी है। 12 H विदेश में जाकर बैठा है। 3, 6, 8, 12 सारे मृत्यु कारक भावों से female 7th Nav Lord का connection हो गया है जोकि female का Spouse है। मृत्यु तुल्य कष्ट भोग रहा है व 6, 7, Lord लगभग 1^0 ही डिग्री के अन्तराल पर है तो Court Case यानि Divorce भी बताता है।

अब यहाँ देख लिजिए एक Single Point से हमने सारी Marriage life divorce accident सभी कुछ देख लिया जबकि traditional Matching ऐसी खास खराब नहीं है।

अब Case लेते हैं <u>Case No. MM 68</u> -

ये case happy marriage का है। 1993 में female की cancer से Death हो गई थी

Female 7th Nav Lord Mer Male Nav के 7 Nav में बैठा है व लग्न में बैठे मंगल से दृष्ट है इधर Male 7th Nav Lord Jup female Nav में 7th Nav में Ret Sat के साथ बैठा है लग्न में बैठे सूर्य व मंगल से दृष्ट है। मतलब Male 7th Nav L ज्यादा affliction में है जोकि Male की Spouse है और इधर female का Nav Lagna भी तो बृ० है और उधर Male का नवांश लग्ना भी बुध ही है। ये नियति ही थी कि दोनों को मिलना था फिर बिछुड़ना भी निश्चित ही था लेकिन जितने भी दिन साथ रहे खुश रहे लगभग 50 साल Married Life जी इसे Happy Marriage ही कहा जायेगा।

हमने Single Point Matching को अभी तो लगभग 100 कुण्डलियों पर लगाया है तो ये लगभग 70% कुण्डलियों पर Fit बैठता है। अभी हमें इसे कम से कम एक हजार कुण्डलियों पर लगाने की जरूरत है तभी कोई निर्णय लिया जा सकता है। यदि आप सभी लोग भी इसमें सहयोग करे। तो हमारे भारतीय विघ्न भवन को हमारे पूज्यनीय गोयल सर की ये Research कामयाब हो जायेगी। Data देते समय 2, 3 बातों का ध्यान रखे एक तो Data rectified हो दूसरे Marriage event ठीक से पता हो व Marriage life के बारे में भी पूरी जानकारी हो

मेरी स्वयं की कुण्डली में केवल 12 गुण मिलते हैं और नाड़ी व यकूट दोष है गृह मैत्री भी नहीं है लेकिन Single Point Matching बहुत अच्छी है। मेरे 2 बच्चे हैं।